शॉर्ट न्यूज़: 28 दिसंबर, 2020

sanskritiias.com/hindi/short-news/28-december-2020

चंद्रमा पर नाभिकीय संयंत्र

थौबल बहुउद्देशीय परियोजना (Thoubal Multipurpose Project)

चंद्रमा पर नाभिकीय संयंत्र

सन्दर्भ

हाल ही में, अमेरिकी ऊर्जा विभाग और नासा द्वारा 'अंतरिक्ष परमाणु ऊर्जा और प्रणोदन के लिये राष्ट्रीय रणनीति' जारी की गई।

प्रमुख बिंदु

- रणनीति के तहत, अंतरिक्ष नीति निदेशिका- 6 (SPD- 6) में नासा द्वारा वर्ष 2026-2027 तक चंद्रमा की सतह पर परमाणु विखंडन (Fission) ऊर्जा संयंत्र के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।
- यह संयंत्र 40 किलोवाट या उससे अधिक विद्युत उत्पादन में सक्षम होगा।
- इसके अलावा, नासा का लक्ष्य वर्ष 2026 तक उड़ान से जुड़ी एक ऐसी हार्डवेयर प्रणाली विकसित करना है, जिसे वह चंद्रमा पर अभियान के दौरान लैंडर के साथ एकीकृत कर सके।
- ऐसा अनुमान है कि विखंडन ऊर्जा प्रणाली भविष्य में चंद्रमा तथा मंगल पर रोबोट और मानव अन्वेषण अभियानों को लाभान्वित करेगी।

चीन का रुख

- चीन ने इस खबर पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अमेरिका की इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के कारण भविष्य में चंद्रमा पर एक सैन्य होड़ शुरू सकती है।
- चीन के अनुसार चंद्रमा पर हीलियम गैस प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, जिसका प्रयोग परमाणु विखंडन के लिये किया जा सकता है और चूँकि अमेरिका ने चंद्रमा पर मौजूद परमाणु सामग्रियों का दोहन कर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण की बात कही है, अतः वह चंद्रमा का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने के स्थल के रूप में कर सकता है।
- यद्यपि अमेरिका का कहना है कि उसका उद्देश्य चंद्रमा पर लंबे समय तक अनुसंधान और अध्ययन करने के लिये आवश्यक ऊर्जा की आपूर्ति को सुनिश्चित करना है।

- ध्यातव्य है कि वर्ष 1979 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने चंद्रमा से जुड़ी संधि को मंज़ूरी दी थी, जिसमें कहा गया था कि चंद्रमा या किसी अन्य खगोलीय पिंड पर कोई भी देश कब्ज़ा कर अपनी संप्रभुता प्रदर्शित की कोशिश नहीं करेगा।
- हालाँकि अमेरिका इस संधि में शामिल नहीं हुआ था लेकिन वह अभी तक इस संधि में तय नियमों का पालन करता आया है।

थौबल बहुउद्देशीय परियोजना (Thoubal Multipurpose Project)

संदर्भ

हाल ही में, गृह मंत्री ने मणिपुर में कई परियोजनाओं सहित थौबल बहुउद्देशीय परियोजना का उद्घाटन किया।

थौबल बहुउद्देशीय परियोजना

- थौबल बहुउद्देशीय परियोजना मणिपुर नदी की सहायक नदी थौबल नदी पर इम्फाल से कुछ दूर फ्यांग (Phayang) गांव के पास स्थित है।
- इस परियोजना का घोषित उद्देश्य सिंचाई, पेयजल और विद्युत उत्पादन के लिये थौबल नदी के जल का उपयोग करना था।
- इसे वर्ष 1980 में योजना आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया था और इसका निर्माण कार्य वर्ष 1989 में शुरू हुआ।
- थौबल बहुउद्देशीय परियोजना से उखरूल, सेनापति और इम्फाल ज़िलों को लाभ होगा। विदित है कि मपीथेल और थौबल बाँध थौबल बहुउद्देशीय परियोजना का हिस्सा है।
- उल्लेखनीय है कि उखरूल ज़िला पूर्व में म्याँमार, दक्षिण में चंदेल ज़िले, पश्चिम में इम्फाल पूर्व तथा सेनापति ज़िले और उत्तर में नागालैंड से घिरा है।

विरोध

- मछली पकड़ने और कृषि गतिविधियों के लिये पानी की कमी होने के कारण इसका विरोध भी किया गया है।
- साथ ही, इस परियोजना पर वन अधिकार अधिनियम, 2006 के कथित उल्लंघन का भी आरोप है।

अन्य तथ्य

- लोकटक झील और काईबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान(विश्व में इकलौता तैरता हुआ उद्यान) मणिपुर में स्थित है। यह उद्यान इसी झील का हिस्सा है और यह भारत में संकटग्रस्त संगाई हिरण (डांसिंग डियर) का एकमात्र निवास स्थान है।
- मणिपुर में जल जीवन मिशन के तहत पिछले 3 वर्षों में घरों में शुद्ध पेयजल की पहुँच 6% से बढ़कर 33% हो गई है।
- राज्य में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में 222%की वृद्धि हुई है। साथ ही, राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिये 'खेल विश्वविद्यालय' की भी स्थापना की जा रही है।